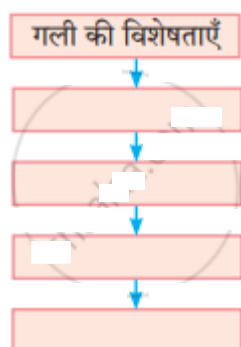


## खुला आकाश (पूरक पठन)

स्वाध्याय [PAGE 30]

स्वाध्याय | Q (१) | Page 30

प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए :



**Solution:**

गली की विशेषताएँ
↓
आसमान नहीं दिखाई देता
↓
पेड़ नहीं है
↓
न पेड़ लगाने की जगह है
↓
मकान पर मकान लदे लगते हैं

स्वाध्याय | Q (२) १. | Page 30

कृति पूर्ण कीजिए :

गली से यह नहीं दिखता -

1. \_\_\_\_\_
2. \_\_\_\_\_

**Solution:** गली से यह नहीं दिखता -

1. असमान
2. घोंसले बनाती चिड़ियाँ।

**स्वाध्याय | Q (२) २. | Page 30**

**कृति पूर्ण कीजिए :**

लेखक ऐसी जिंदगी बिताना नहीं चाहता -

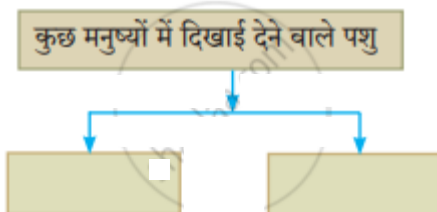
1. \_\_\_\_\_
2. \_\_\_\_\_

**Solution:** लेखक ऐसी जिंदगी बिताना नहीं चाहता -

1. चीजों को लुका-छिपाकर
2. आदतों और व्यवहार को रचा-बसाकर।

**स्वाध्याय | Q (३) | Page 30**

**आकृति में लिखिए :**

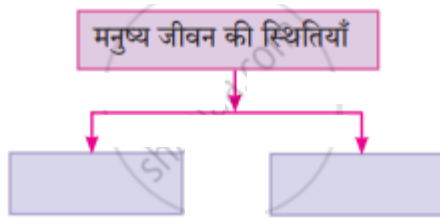


**Solution:** कुछ मनुष्यों में दिखाई देने वाले पशु:

1. बाघ, भेड़िये, लकड़बग्घे, साँप, तेंदुए, बिच्छू, गोजर
2. गाय, बकरी, भेड़, तितली

**स्वाध्याय | Q (४) | Page 30**

**आकृति में लिखिए :**

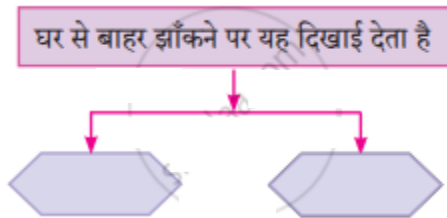


**Solution:** मनुष्य जीवन की स्थितियाँ:

1. गुलामी करना
2. गुलामी करवाना

स्वाध्याय | Q (५) १. | Page 30

लिखिए :

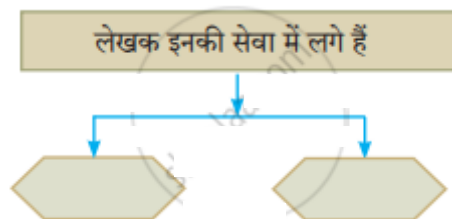


**Solution:** घर से बाहर झाँकने पर यह दिखाई देता है:

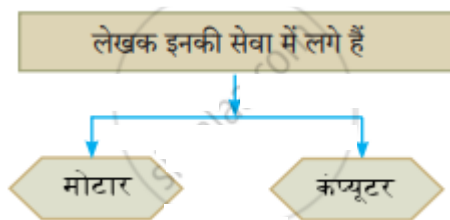
1. मकान ही मकान
2. एक गंदी व तंग गली

स्वाध्याय | Q (५) २. | Page 30

लिखिए :



**Solution:**



## अभिव्यक्ति [PAGE 30]

### अभिव्यक्ति | Q (१) | Page 30

‘जो हम शौक से करना चाहते हैं, उसके लिए रास्ते निकाल लेते हैं,’ इसका सोदाहरण अर्थ लिखिए।

**Solution:** किसी काम को करने की यदि हमारी इच्छा नहीं है, तो वह काम कभी पूरा नहीं होगा। इसके विपरीत यदि कठिन काम भी हम शौक से शुरू करते हैं, तो भी उसे पूरा करने का रास्ता निकाल लेते हैं। संसार में इसके बहुत सुंदर उदाहरण मिलते हैं। हमारे भारत के 'मिसाइल मैन' के नाम से मशहूर डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को सभी जानते हैं। वे बहुत गरीब परिवार से थे। उन्होंने जीवन में बहुत सारी मुसीबतें देखीं और उनका सामना किया, लेकिन अपने लक्ष्य से कभी नहीं भटके। इच्छाशक्ति व परिश्रम के बल पर सफलता प्राप्त की। महान आविष्कारक थॉमस एडीसन को कमजोर दिमाग के चलते स्कूल से निकाल दिया गया। कई बार असफलताएँ उनके हाथ लगीं, लेकिन अंततः उन्होंने बल्ब का आविष्कार किया। एक विशालकाय पर्वत जिसे देखकर ही पसीने छूट जाते हैं, उसे एक साधारण से आदमी दशरथ माँझी ने अपनी प्रबल इच्छा के बल पर चीर दिया। आजादी की लड़ाई की लोगों को ऐसी लगन लगी कि लोगों ने अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। मदर टेरेसा को गरीबों की सेवा करने का शौक पैदा हुआ, जिसे उन्होंने पूरा भी किया। इस विश्व में अनगिनत लोग हुए, जिन्होंने अपने शौक को पूरा करने के लिए अपना सर्वस्व निछावर कर दिया और अंततः सफलता का स्वाद भी चखा। इससे सिद्ध होता है कि यदि मन में दृढ़ संकल्प हो और काम के प्रति लगन अर्थात् शौक हो, तो मुश्किलें स्वयं ही रास्तों से हट जाती हैं और मंजिल खुद-ब-खुद कदम चूमती है।

## भाषा बिंदु [PAGE 31]

### भाषा बिंदु | Q (१) | Page 31

निम्नलिखित संधि विच्छेद की संधि कीजिए और भेद लिखिए :

अनु.	संधि विच्छेद	संधि शब्द	संधि भेद
------	--------------	-----------	----------

१.	दुः+लभ	_____	_____
२.	महा+आत्मा	_____	_____
३.	अन्+आसक्त	_____	_____
4.	अंतः+चेतना	_____	_____
5.	सम्+तोष	_____	_____
६.	सदा+एव	_____	_____

**Solution:**

अनु.	संधि विच्छेद	संधि शब्द	संधि भेद
१.	दुः+लभ	<u>दुर्लभ</u>	<u>विसर्ग संधि</u>
२.	महा+आत्मा	<u>महात्मा</u>	<u>स्वर संधि</u>
३.	अन्+आसक्त	<u>अनासक्त</u>	<u>व्यंजन संधि</u>
4.	अंतः+चेतना	<u>अंतश्चेतना</u>	<u>विसर्ग संधि</u>
5.	सम्+तोष	<u>संतोष</u>	<u>व्यंजन संधि</u>
६.	सदा+एव	<u>सदैव</u>	<u>स्वर संधि</u>

**भाषा बिंदु | Q (२) | Page 31**

निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए और भेद लिखिए :

अनु.	शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
१.	सज्जन	+	_____
२.	नमस्ते	+	_____
३.	स्वागत	+	_____

४.	दिग्दर्शक	+	_____
५.	यद्यपि	+	_____
६.	दुस्साहस	+	_____

**Solution:**

अनु.	शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
१.	सज्जन	सत् + जन	व्यंजन संधि
२.	नमस्ते	नमः + ते	विसर्ग संधि
३.	स्वागत	सु + आगत	स्वर संधि
४.	दिग्दर्शक	दिक् + दर्शक	व्यंजन संधि
५.	यद्यपि	यदि + अपि	स्वर संधि
६.	दुस्साहस	दुः + साहस	विसर्ग संधि

**भाषा बिंदु | Q (३) | Page 31**

निम्नलिखित आकृति में दिए गए शब्दों का विच्छेद कीजिए और संधि का भेद लिखिए :

- दिग्गज
- सप्ताह
- निश्चल
- भानूदय
- निस्संदेह
- सूर्यास्त

विच्छेद	भेद
_____ + _____	( _____ )
_____ + _____	( _____ )
_____ + _____	( _____ )

_____ + _____	( _____ )
_____ + _____	( _____ )

**Solution:**

अनु.	शब्द	विच्छेद	भेद
१.	दिग्गज	दिक् + गज	व्यंजन संधि
२.	सप्ताह	सप्त + अह	स्वर संधि
३.	निश्चल	निः + चल	विसर्ग संधि
४.	भानूदय	भानु + उदय	स्वर संधि
५.	निस्संदेह	निः + संदेह	विसर्ग संधि
६.	सूर्यास्त	सूर्य + अस्त	स्वर संधि

**भाषा बिंदु | Q (४) | Page 31**

पाठों में आए संधि शब्द छाँटकर उनका विच्छेद कीजिए और संधि का भेद लिखिए ।

**Solution:**

अनु.	शब्द	विच्छेद	संधि भेद
१.	अपेक्षा	अप + ईक्षा	स्वर संधि
२.	निर्जीव	निः + जीव	विसर्ग संधि
३.	स्वार्थी	स्व + अर्थी	स्वर संधि
४.	संपूर्ण	सम् + पूर्ण	व्यंजन संधि
५.	उज्ज्वल	उत् + ज्वल	व्यंजन संधि

**अपठित गद्यांश [PAGE 32]**

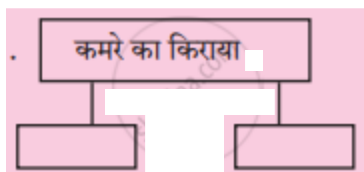
**अपठित गद्यांश | Q (१) | Page 32**

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए

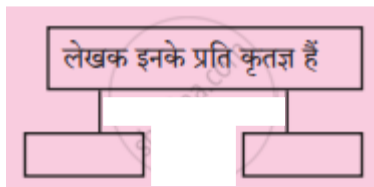
हर किसी को आत्मरक्षा करनी होगी, हर किसी को अपना कर्तव्य करना होगा। मैं किसी की सहायता की प्रत्याशा नहीं करता। मैं किसी का भी प्रत्याह नहीं करता। इस दुनिया से मदद की प्रार्थना करने का मुझे कोई अधिकार नहीं है। अतीत में जनि लोगों ने मेरी मदद की है या भविष्य में भी जो लोग मेरी मदद करेंगे, मेरे प्रति उन सबकी करुणा मौजूद है, इसका दावा कभी नहीं किया जा सकता। इसीलिए मैं सभी लोगों के प्रति चरि कृतज्ञ हूँ। तुम्हारी परिस्थिति इतनी बुरी देखकर मैं बेहद चिंतित हूँ। लेकिन यह जान लो कि- 'तुमसे भी ज्यादा दुखी लोग इस संसार में हैं। मैं तुमसे भी ज्यादा बुरी परस्थिति में हूँ। इंग्लैंड में सब कुछ के लिए मुझे अपनी ही जेब से खर्च करना पड़ता है। आमदनी कुछ भी नहीं है। लंदन में एक कमरे का किराया हर सप्ताह के लिए तीन पाउंड होता है। ऊपर से अन्य कई खर्च हैं। अपनी तकलीफों के लिए मैं किससे शिकायत करूँ? यह मेरा अपना कर्मफल है, मुझे ही भुगतना होगा।'।

### (१) कृति पूर्ण कीजिए :

१.



२.



### (२) उत्तर लिखिए :

१. परिच्छेद में उल्लिखित देश - \_\_\_\_\_
२. हर किसी को करना होगा - \_\_\_\_\_
३. लेखक की तकलीफें - \_\_\_\_\_
४. हर किसी को करनी होगी - \_\_\_\_\_

### (३) निर्देशानुसार हल कीजिए :

(अ) निम्नलिखित अर्थ से मेल खाने वाला शब्द उपर्युक्त परिच्छेद से ढूँढ़कर लिखिए :

१. स्वयं की रक्षा करना - \_\_\_\_\_
२. दूसरों के उपकारों को मानने वाला - \_\_\_\_\_

(ब) लिंग पहचानकर लिखिए :



१. जेब - \_\_\_\_\_
२. दावा - \_\_\_\_\_
३. साहित्य - \_\_\_\_\_
४. सेवा - \_\_\_\_\_

(४) 'कृतज्ञता' के संबंध में अपने विचार लिखिए ।

**Solution: (१)**

**१. कमरे का किराया:**

१. हर सप्ताह
२. तीन पाउंड

**२. लेखक इनके प्रति कृतज्ञ हैं**

१. अतीत में जिन लोगों ने लेखक की मदद की है।
२. भविष्य में भी जो लोग लेखक की मदद करेंगे।

**(२)**

१. परिच्छेद में उल्लिखित देश - **इंग्लैंड**
२. हर किसी को करना होगा - **अपना कर्तव्य**
३. लेखक की तकलीफें - **आमदनी कुछ नहीं है और खर्च कई हैं**
४. हर किसी को करनी होगी - **आत्मरक्षा**

**(३)**

**(अ)**

१. स्वयं की रक्षा करना - **आत्मरक्षा**
२. दूसरों के उपकारों को मानने वाला - **कृतज्ञ**

**(ब)**

१. जेब - **स्त्रीलिंग**
२. दावा - **पुल्लिंग**
३. साहित्य - **पुल्लिंग**
४. सेवा - **स्त्रीलिंग**

**(४)**

कृतज्ञता का अर्थ है स्वयं की सहायता करनेवाले के प्रति कृतज्ञ होना। यह प्रार्थना, श्रद्धा, साहस, संतोष, प्रेम और परोपकार जैसे सद्गुणों के विकास की आधारशिला है। कृतज्ञता का भाव मानव के अंदर सद्चरित्र तथा परोपकार की भावना को लंबे समय तक जीवित रखता है। कृतज्ञता

इंसानियत और परोपकार की एक स्नेहपूर्ण श्रृंखला है, जो मानव को मानव से जोड़ती है। यदि किसी के द्वारा किया गया कार्य हमारे लिए सुखकर या हितकारी है, तो उस कार्य के प्रति आभार प्रकट करना मानव-हृदय की सुंदर प्रवृत्ति को दर्शाता है। यही विनम्रता दूसरे व्यक्ति को भी सच्चा व्यवहार तथा परोपकार करने के लिए प्रेरित करती है। कृतज्ञता का भाव मनुष्य के हृदय की विशालता व उसके चरित्र को दर्शाता है। अतः कृतज्ञता जैसे श्रेष्ठ मानवीय गुण को अपने जीवन में उतारना चाहिए।